हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

9 आत्मिक उन्नति, राष्ट्र कल्याण और दुष्टों के नाश का साधन...

10 दिल्ली की सड़कों पर रात में भी दौड़े बीआरजी के धावक

खबर संक्षेप

आज मौसम सुहावना रहने की उम्मीद

बहादुरगढ़। एनसीआर में सोमवार (4 मई) को मौसम सुहावना रहने की की उम्मीद है। मौसम विभाग ने गर्जना के साथ ही तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश का पूर्वानुमान जताया है। रविवार को बहादुरगढ़ में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 37 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। बेशक लोगों को उमस भरी गर्मी थोड़ा सता रही है। लेकिन सोमवार को मौसम के फिर से करवट लेने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में नए पश्चिमी विक्षोभ क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं।

पेलपा-सोंधी के बीच दो लाख के तार चोरी

बहादुरगढ़। गांव पेलवा में 11 केवी सोंधी अप लाइन के लगभग 10 स्पेन के एचटी लाइन के तार तथा 100 केवीए पुरान वाला टीएफ के लगभग 10 स्पेन के एलटी तार चोरी हो गए हैं। बादली थाना पुलिस ने जेई दीपक ढाका की शिकायत पर एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट की धारा 136 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत में कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि एएलएम सचिन व दिनेश की सूचना पर जांच की गई तो पता लगा कि चोरी हुए तारों से बिजली निगम को करीब 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

नशीली दवाओं और इंजेक्शन के साथ पकड़ा

बहादुरगढ़। पुलिस ने जाखोदा के निकट एक व्यक्ति को 60 नशीली गोलियों व 5 नशीले इंजेक्शनों के साथ काबू किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सुरेश निवासी जाखोदा को काबू किया। नियम अनुसार सक्षम राजपत्रित अधिकारी के समक्ष तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे से 60 नशीली गोलियां मिली तथा 5 इंजेक्शन बरामद हुए। प्रतिबंधित नशीली दवाइयां मिलने पर सुरेश के विरुद्ध मादक पदार्थ निरोधक अधिनियम की धारा 22बी के तहत अभियोग दर्ज किया गया है।

खरमाण में फसल अवशेष जलाने पर एफआईआर

बहादुरगढ़। खरमाण गांव में फसल अवशेष जलाने के मामले में सख्ती दिखाते हुए सदर थाना पुलिस ने कृषि पर्यवेक्षक पंकज की शिकायत पर अभियोग अंकित किया है। पुलिस को दी शिकायत में ग्राम स्तरीय संयुक्त टीम के सदस्य पंकज ने बताया कि गांव खरमाण में 30 अप्रैल को फसलों के अवशेष जलते हुए पाए गए। यह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का उल्लंघन है। इस कारण एनवायरमेंट एक्ट-1986 की धारा-15 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा-223ए और 280 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक होगी यह ग्रीन पॉकेट

बहादुरगढ़ बाईपास पर 165 लाख में बन रही नया गांव चौक से एचएल सिटी तक ग्रीन बेल्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के बाईपास पर नया गांव चौक से एचएल सिटी तक ग्रीन बेल्ट विकसित की जा रही है। एक करोड़ 65 लाख रुपए में तैयार की जा रही इस ग्रीन पॉकेट में जॉगिंग ट्रैक व साइकिल ट्रैक बनाए जा रहे हैं। इससे न केवल शहर हरा-भरा बनेगा, बल्कि लोगों को स्वस्थ रहने में भी मदद मिलेगी।

तेजी से फैलते शहरीकरण के बीच पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए एचएसवीपी ने बाईपास पर एचएल सिटी के साथ लगते क्षेत्र में करीब 1.65 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक ग्रीन बेल्ट विकसित करने का कार्य शुरू कर दिया है। इंप्रूवमेंट ऑफ ग्रीन बेल्ट (ग्रीन पॉकेट नंबर-1) विद टो वॉल एंड ग्रिल फेंसिंग एट एचएल सिटी सेक्टर-37 अर्बन एस्टेट बहादुरगढ़ के नाम से प्राधिकरण द्वारा 30 अक्टूबर 2025 को 402 लाख 96 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी। इसमें 5 वर्ष का मेंटेनेंस भी शामिल है। प्राधिकरण द्वारा 165 लाख रुपए का टेंडर जारी करने के बाद एजेंसी ने निर्माण भी शुरू कर दिया है। नया गांव चौक से लेकर नहर तक 30 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट विकसित की जा रही है।

बाईपास क्षेत्र में लगातार बढ़ते ट्रैफिक और औद्योगिक गतिविधियों के चलते वायु प्रदूषण में वृद्धि हो रही है, ऐसे में यह हरित पट्टी धूल और धुएं को नियंत्रित करने में कारगर साबित होगी। साथ ही, यह क्षेत्र के तापमान को नियंत्रित करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी सहायक होगी। ग्रीन बेल्ट में ज्यादा आक्सीजन उत्पादन करने वाले पौधे लगाए जाएंगे। हालांकि नहर से लेकर झज्जर रोड तक एचएल सिटी के सामने वाले हिस्से में मुख्य सड़क के किनारे 30 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट पहले से विकसित है। इसमें 2.5 मीटर का साइकिलिंग ट्रैक और 1.5 से 2 मीटर का पैदल मार्ग शामिल है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शहर के सौंदर्यीकरण, प्रदूषण नियंत्रण और नागरिकों को बेहतर जीवन पर्यावरण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बहादुरगढ़। एचएल सिटी के सामने बाईपास पर स्थित वर्तमान ग्रीन बेल्ट। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। नया गांव चौक के निकट शुरू किया गया ग्रीन पॉकेट का निर्माण। फोटो : हरिभूमि

'ग्रीन लंग्स' के रूप में कार्य करेगी

एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने बताया कि यह ग्रीन बेल्ट शहर के 'ग्रीन लंग्स' के रूप में कार्य करेगी। ग्रीन बेल्ट का निर्माण केवल औपचारिक हरियाली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे एक सुव्यवस्थित और आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। पैदल चलने के लिए वॉकिंग ट्रैक, साइकिल ट्रैक और आकर्षक लाइटिंग के साथ ग्रीनरी विकसित की जाएगी।

इस तरह के प्रोजेक्ट बेहद जरूरी

एचएल सिटी निवासी मनोज राठी ने ग्रीन पॉकेट के निर्माण का स्वागत करते हुए कहा कि शहर में हरियाली की बढ़ती जरूरत को देखते हुए इस तरह के प्रोजेक्ट बेहद जरूरी हैं। इससे न केवल वातावरण शुद्ध होगा, बल्कि सुबह-शाम सैर और परिवार के साथ समय बिताने के लिए एक सुरक्षित और सुंदर स्थान भी मिलेगा।

दीर्घकालिक योजना तैयार

हशविप्रा के कनिष्ठ अभियंता आशीष छिल्लर के अनुसार परियोजना को चरणबद्ध तरीके से तेजी से पूरा किया जा रहा है और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ग्रीन बेल्ट के रखरखाव के लिए भी दीर्घकालिक योजना तैयार की गई है। यह ग्रीन बेल्ट बहादुरगढ़ को एक स्वच्छ, सुंदर और रहने योग्य शहर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

जिले के सभी आठ केंद्रों पर शांतिपूर्वक संपन्न हुई नीट-यूजी परीक्षा

2321 परीक्षार्थियों में से 2273 ने दिया पेपर, 48 रहे अनुपस्थित

- डीसी ने केंद्रीय विद्यालय में बने परीक्षा केंद्र का लिया जायजा
- नीट परीक्षा के चलते दिनभर अलर्ट मोड पर रहा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा सभी आठ परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल और नकल रहित संपन्न हुई। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने स्वयं कमान संभाली और जिला मुख्यालय पर केंद्रीय विद्यालय में बनाए गए केंद्र पर परीक्षा शुरू होने से परीक्षा आयोजन की नियमानुसार व्यवस्थाए देखी, सीसीटीवी के अलावा अन्य जरूरी व्यवस्था जांची, साथ ही परीक्षा केंद्र अधीक्षक व स्टाफ से भी पूछताछ की। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि प्रश्न पत्र सही तरीके से गोपनीयता के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से जिन स्कूलों में केंद्र बनाए गए, उसके नजदीक फोटोस्टेट मशीन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाली दुकानों को बंद रखा गया। परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई थी। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए समूची व्यवस्था पर नजर रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए थे। परीक्षा के चलते नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी की गई सभी गाइडलाइन्स को फॉलो किया गया। पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

झज्जर। नीट-यूजी परीक्षा के चलते व्यवस्थाओं का जायजा लेते डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

इन केंद्रों पर हुई परीक्षा

स्थानीय शहीद रमेश चंद्र राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय कलोई, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ीखुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डावला, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिलानी, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिलानी में नीट-यूजी की परीक्षा हुई।

शहर में दिनभर बनी रही जाम की स्थिति

नीट यूजी परीक्षा के कारण परीक्षा केंद्रों के बाहर बैरिकेटिंग की गई। जिसके कारण उन मार्गों से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा और दिनभर शहर में जाम की स्थिति भी बनी रही। दिनभर पुलिस कर्मी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

झज्जर। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों की जांच करते हुए सुरक्षाकर्मी। फोटो : हरिभूमि

परीक्षा के लिए बनाए गए 8 केंद्र

नीट-यूजी परीक्षा के लिए जिले में कुल 8 केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर लगभग 2321 परीक्षार्थियों में से 2273 ने परीक्षा दी। जिसमें 48 अनुपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित की गई, जबकि डिसएबल्ड परीक्षार्थियों के लिए यह समय सीमा 2 से 6 बजे निर्धारित की गई थी।

जेएलएन नहर में डूबने से युवक की मौत, ढाई घंटे बाद मिला शव

झज्जर। गांव लडायन व जमालपुर के पास से गुजर रही जेएलएन नहर में एक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान जिले के गांव ढाकला निवासी करीब 20 वर्षीय साहिल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार साहिल रविवार की दोपहर करीब चार बजे अपने दोस्तों के साथ नहर में नहा रहा था। इसी दौरान वह तेज बहाव के कारण डूब गया। घटना का पता चलते ही हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से साहिल की तलाश शुरू की गई।पुलिस द्वारा नहर में करीब ढाई घंटे तक सर्च अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद शाम करीब साढ़े सात बजे साहिल का शव नहर से बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शव गृह भिजवा दिया है।

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजन।

सीढ़ियों से गिरे युवक की मौत

झज्जर। गांव बाघपुर में सीढ़ियों से गिर कर युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 31 वर्षीय पारस पुत्र वेदप्रकाश के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि पारस जब अपने मकान की छत से सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था तो अचानक उसका पांव फिसल गया और नीचे जमीन पर आ गिरा। इसके बाद गंभीर रूप से घायल पारस को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रविवार को परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

टेंडर शर्तों के उल्लंघन पर ट्रांसपोर्टर को 25 हजार जुर्माने का नोटिस जारी

डीसी ने किया छारा स्थित खरीद केंद्र का दौरा , व्यवस्थाओं का लिया जायजा, आढ़तियों की सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। आढ़तियों की समस्याएं सुनते हुए डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल।

रविवार को डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने गांव छारा में चल रही गेहूं खरीद व उपज उठान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने खरीद एजेंसियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गेहूं के उठान कार्य में तेजी लाएं। यदि कहीं भी ढिलाई पाई गई, तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने आढ़तियों और किसानों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को समस्या के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि छारा स्थित खरीद केंद्र में अब तक 15 हजार 49 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हुई है जबकि 10 हजार 966 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। वहीं 6 हजार 463 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है।

डीएफएससी राजेश्वर मुदगिल ने बताया कि छारा खरीद केंद्र पर टेंडर शर्तों का उल्लंघन करने और धीमी उठान एवं अपर्याप्त वाहन उपलब्धता के चलते खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा ट्रांसपोर्टर को 25 हजार रुपये जुर्माने का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि छारा खरीद केंद्र पर गेहूं उपज के धीमी उठान और टेंडर शर्तों के अनुरूप वाहन उपलब्ध ना होने के कारण ट्रांसपोर्टर को नोटिस जारी गया है।

साथ ही ट्रांसपोर्टर को खरीद केंद्र पर शेष गेहूं के स्टॉक का उठान समयबद्ध रूप से प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

हादसा राहगीरों ने नीचे दबे युवकों को बड़ी मशक्कत के बाद निकाला बाहर

दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार

पिकअप गाड़ी पर गिरा रोड़ी से भरा ट्रक, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के कोसली बाईपास पर एक रोड़ी से भरा ट्रक असंतुलित होकर पिकअप गाड़ी पर जा गिरा। गनीमत यह रही पिकअप गाड़ी में फंसे तीन युवकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। दुर्घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने पिकअप गाड़ी की खिड़की तोड़ कर बड़ी मशक्कत के बाद घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला और उन्हें उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। घायलों की पहचान अनीस पुत्र सिलारू, रियाहन पुत्र तोतिया व कलुआ पुत्र शरीफ के तौर पर हुई है। तीनों मूल रूप से यूपी के रहने वाले हैं।

अस्पताल में उपचाराधीन अनीश ने बताया कि वे तीनों पिछले लंबे समय से पशुओं की खरीद-फरोख्त का काम करते हैं और शहर की देव कालोनी में रहते हैं। उन्होंने इस काम के लिए एक पिकअप गाड़ी भी किराए पर ले रखी है। रविवार को भी वे अपने इसी काम से भैंस आदि खरीदने के लिए कोसली जा रहे थे। इसी दौरान जब वे देव कालोनी से कोसली बाईपास पहुंचे तो उनकी पिकअप गाड़ी पर एक रोड़ी से भरा ट्राला गिर गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया जबकि वे नीचे दब गए। इस दुर्घटना में उन तीनों को हाथ व पैरों व सिर में चोट आई है।

झज्जर। घटना स्थल पर क्षतिग्रस्त ट्रक व पिकअप के साथ राहगीर। फोटो : हरिभूमि

ट्राला चालक पर केस दर्ज

मामले के जांच अधिकारी उमेश कुमार ने बताया कि घायल अनीस की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में यूपी के गांव रोहिंदा जिला बुलंदशहर निवासी अनीस ने बताया कि सुबह करीब सवा सात बजे रियाहन व कलुआ के साथ कोसली की तरफ जा रहा था तो कोसली मोड़ के पास सामने से आ रहा एक ट्रक लहराते हुए उनकी गाड़ी पर जा गिरा। इसके बाद राहगीरों द्वारा उसे व उसके साथियों को बाहर निकाला।

झज्जर। अस्पताल में उपचाराधीन घायल युवक।

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में हुई दुर्घटना

दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोग घायलों को बचाने के लिए घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्राले के सामने अचानक बाइक सवार आ गया जिसे बचाने के चक्कर में चालक अपना संतुलन खो बैठा और ट्राला कोसली रोड की ओर मुड़ रही पिकअप गाड़ी पर जा गिरा।

पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्राला उठवा कर किया रास्ता सुचारू

दुर्घटना के बाद सड़क के बीच गिरे ट्राले के कारण वाहनों के आवागमन में परेशानी आई। वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस बीच पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त को उठवाकर रास्ता सुचारू कराया। इस दौरान दो पुलिसकर्मी यातायात सुचारू रखने के लिए वाहनों को बारी-बारी निकालते हुए दिखाई दिए।

कहानी

डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुजुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाजा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते हैं। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी-वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

समीक्षक

डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा

कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल — श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता — सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

व्यंग्य — विनीत पाण्डेय

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतजार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

नगरवासियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर यज्ञ में पूर्णाहूति डाली

आत्मिक उन्नति, राष्ट्र कल्याण और दुष्टों के नाश का साधन है यज्ञ : इंद्रजीत

■ गीता के अनुसार, परमात्मा के निमित्त नि:स्वार्थ भाव से किया गया हर शुभ कर्म यज्ञ है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। यज्ञ में आहूति डालते हुए आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

रविवार को वैदिक आर्य कन्या स्कूल परिसर में आर्य समाज झज्जर का मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्य समाज द्वारा हर माह के प्रथम रविवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के पहले चरण में वैदिक यज्ञ हुआ। समाज के पुरोहित ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने वैदिक मंत्रोच्चार कर इनकी संपूर्ण व्याख्या करते हुए यज्ञ संपन्न करवाया। नगरवासियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर यज्ञ में पूर्णाहूति डाली। ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का आधार है, जो अग्नि के माध्यम से देवताओं को आहुति देकर पर्यावरण शुद्धि, मानसिक शांति और ईश्वरीय कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ मार्ग है। यह आत्मिक उन्नति, राष्ट्र कल्याण और दुष्टों के नाश का साधन है। गीता के अनुसार, परमात्मा के निमित्त निःस्वार्थ भाव से किया गया हर शुभ कर्म यज्ञ है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में भजन संध्या आयोजित की गई। पूर्व विधायक एडवोकेट अजीत सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में आर्य भजनोपदेशक कुलदीप भास्कर ने आर्य भजनों की प्रस्तुति दी। उन्होंने एक के बाद एक मधुर भजन प्रस्तुत करते हुए आर्य समाज एवं महर्षि दयानंद की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान जीतेंद्र बरानी, आर्य दलीप सिंह ने भी अपना वक्तव्य रखा। इस मौके पर आर्य समाज प्रधान राजीव आर्य, महामंत्री लाला प्रकाशवीर, कोषाध्यक्ष रमेश सैनी, डा. गौतम आर्य, रमेश देशवाल, ओपी पूनिया, महाशय रतिराम, आत्मप्रकाश चुग, सुमित्रा देवी सहित काफी संख्या में आर्यजन उपस्थित रहे।

फसल अवशेष जलाना कानूनन अपराध

■ नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : डीसी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जिले में गेहूं के फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर रोक के चलते सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाना कानूनन अपराध है इससे न केवल पर्यावरण दूषित होता है साथ ही सूक्ष्म जीव जंतु भी नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा किसी भी ऐसी घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी सख्त कार्रवाई करना सुनिश्चित करें साथ ही फसल अवशेष जलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाएं ताकि आगजनी घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कृषि विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से फील्ड में सक्रिय रहे, साथ ही मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर संबंधित किसानों की रेड एंट्री की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई खेत मालिक फसल अवशेष जलाने संबंधी मामलों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उद्योगों के साथ भेदभावपूर्ण रवैये पर जताई चिंता

बहादुरगढ़। उद्योगों की अनदेखी पर चिंता जाहिर करते कोबी पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग समेत अन्य सदस्यों ने सरकार पर उद्योगों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने के गंभीर सवाल लगाए हैं। उनके अनुसार सरकार व जनप्रतिनिधि बहादुरगढ़ के विकास के नाम पर 1000 करोड़ रुपये के विकास कार्य, 148 करोड़ रुपये के बजट और दिव्य नगर आदि परियोजनाओं का जिक्र करते हैं। लेकिन औद्योगिक क्षेत्र विकास का इंतजार कर रहे हैं।

प्रवीण गर्ग, अशोक कुमार मित्तल, विपिन बजाज, दीपक शर्मा, रवि चमड़िया, प्रदीप कौल व पुरुषोत्तम गोयल आदि ने कहा कि जिले के सभी औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं को बार-बार लिखित रूप में देने, अवगत कराने और दिखाने के बावजूद सरकार के प्रतिनिधि उद्योगों के मुद्दों पर कोई ठोस चर्चा नहीं करते। जिन उद्योगों के योगदान से सरकारी बजट मजबूत होता है, वही उद्योग आज सरकारी एजेंडा से बाहर नजर आते हैं। उद्योगों, औद्योगिक क्षेत्रों और वहां कार्यरत कर्मचारियों की मूलभूत सुविधाओं को नजरअंदाज किया जाना चिंताजनक है। उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। रोजगार सृजन करने वाले उद्योगों का विकास और संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

खिलाड़ियों को दिलाई नशे के खिलाफ जागरूकता की शपथ

झज्जर। खेल स्टेडियम में नशे के खिलाफ जागरूकता की शपथ लेते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। जिले में नशा मुक्त भारत अभियान को प्रभावी बनाने के लिए निरतंर जागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा हैं। इसी कड़ी में रविवार को महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम बहादुरगढ़ तथा खेल स्टेडियम बामनोली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। खिलाड़ियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेलों के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया। जिला खेल अधिकारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में नशा मुक्ति को लेकर निरंतर व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। विशेष रूप से खिलाड़ियों के लिए नशा उनके करियर के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहें, बल्कि अपने साथियों और समाज के अन्य युवाओं को भी इसके प्रति जागरूक करें।

एसोसिएशन की लंबित मांगों को पूरा कराने के लिए प्रयासरत है कार्यकारिणी : सुखविंद्र सिंह

झज्जर। एमपीएचई एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी एसोसिएशन संबंधी मांगों को पूरा कराने के लिए अथक प्रयास कर रही है। एसोसिएशन के राज्य सह सचिव सुखविंद्र सिंह और अशोक कुमार ने बताया कि उनकी मुख्य मांगों में ड्रेस अलाउंस, पदनाम बदलवाना, एसीपी लगवाना, एलटीसी दिलाना, नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत कार्यरत बहनों को समान काम-समान वेतन का लाभ दिलाना शामिल है। जिला प्रधान प्रवीण और खजांची अनिल कुमार ने बताया कि बार-बार फॉलोअप करने पर ड्रेस अलाउंस लग गया है जो कि 900 रुपए प्रति महीना है। ड्रेस अलाउंस का एरियर भी जल्द ही दिलवाया जाएगा। जिला सचिव आनंद कुमार ने बताया कि पदनाम बदलवाने की सूचना भी निदेशक कार्यालय से सरकार को भेजी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इसी के चलते सोमवार को महानिदेशक कार्यालय के सामने किए जाने वाले एक दिन के धरना प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया है। यदि सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो वे आगामी पांच जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के रेवाड़ी स्थित रामपुरा हाउस का घेराव करेंगे।

समाज व राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हैं श्रमिक

■ श्रमिकों के अथक परिश्रम, ईमानदारी और समर्पण से ही विकास की नींव मजबूत होती है

झज्जर। श्रमिकों को सम्मानित करते हुए चांसलर डॉक्टर महिपाल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय में अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों का सम्मान किया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. महिपाल ने विश्वविद्यालय में कार्यरत श्रमिकों को टिफिन वितरित करते हुए संस्थान के प्रति समर्पण के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग हमारे समाज और राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। श्रमिकों के अथक परिश्रम, ईमानदारी और समर्पण से ही विकास की नींव मजबूत होती है। किसी भी संस्था, उद्योग, संगठन या समाज की प्रगति श्रमिकों के योगदान के बिना संभव नहीं है। वाइस चांसलर डॉक्टर अजीत सिंह ने कहा कि मजदूर वर्ग राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्रमिकों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है। हमें उनके अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण के प्रति सदैव जागरुक रहना चाहिए। वाइस चेयरमैन सुमन यादव ने कहा कि श्रमिकों के परिश्रम से ही संस्थानों की गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित होती हैं। इस मौके पर रामावतार यादव, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन भारती, डायरेक्टर एचआर विनोद, शालू, डायरेक्टर मीडिया दिव्या मलिक, शिक्षक-विद्यार्थी कॉर्डिनेटर जसरीत सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

महिला की शिकायत पर ऑटो चालक के विरुद्ध एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की रुहिल रेजिडेंसी में रहने वाली महिला ने एक ऑटो चालक पर उसके व उसके बेटे के साथ मारपीट करने व पैसे-मोबाल छीनने का आरोप लगाया है। साधना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात 9 बजे अपने लड़के दीपक के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर छोटूराम नगर से घर लौट रही थी। पंडित श्रीराम शर्मा मेट्रो स्टेशन के निकट ऑटो रिक्शा चालक विशाल उसे देखकर गालियां देने लगा। विशाल ने डंडा निकाल लिया और दीपक के साथ गाली गलोच शुरू कर दी। फिर विशाल ने साधना व दीपक को डंडा मारा। विशाल ने दीपक का फोन तोड़ दिया और जेब से 4 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस आ गई और साधान व उसके बेटे दीपक को एमआईई चौकी ले गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

■ नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे, जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याओं और शिकायतों की सुनवाई करेंगे।

युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और आरोपी भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

धारूहेड़ा थाना पुलिस ने गत 21 जनवरी की रात धारूहेड़ा के मोहल्ला रामनगर में एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वार्ड नंबर-6 धारूहेड़ा निवासी गौरव बगौरिया उर्फ तुषार को काबू किया है। पुलिस ने इस मामले दो नाबालिग सहित आठ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मोहल्ला रामनगर धारूहेड़ा निवासी देवेंद्र उर्फ दीपू ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत 21 जनवरी की रात वह घर के बाहर गली में अपने दोस्त रोबिन से मिलने के लिए आया था। उसी दौरान गोरव चौधरी और दीनू जाट ने उसे फोन करके मिलने बुलाया। उसने इन लोगों को वहां पर आने के लिए कहा, दोनों दो गाड़ियों और बाइकों पर कई युवकों के साथ वहां आए और हथियार निकालकर उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। परिजनों और आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी उसे मार-पीटकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो नाबालिग सहित आठ आरोपी धारूहेड़ा निवासी लक्की, मोहल्ला आजाद नगर धारूहेड़ा निवासी उत्तम तिवारी, पंजाबी मोहल्ला धारूहेड़ा निवासी विकास शर्मा उर्फ अलबाडी, गांव अलावलपुर निवासी जितेन्द्र उर्फ गोम, गांव महेश्वरी निवासी दिनेश उर्फ दिनू व गौरव चौधरी को पहले गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी गौरव बगौरिया उर्फ तुषार को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

अवैध देशी कट्टे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। शहर थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव भोतवास अहीर निवासी देवपाल के रूप में हुई है। पुलिस को रविवार को सूचना मिली कि देवपाल निवासी गांव भोतवास अहीर अवैध हथियार के साथ सनसिटी बीपीएल कॉलोनी के पास घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा व 1 जिंदा रोंद बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज किया है।

रॉबिनहुड आर्मी ने छबील लगाकर किया जागरूक

बहादुरगढ़। राहगीरों को पानी पिलाते रॉबिनहुड आर्मी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

■ यात्रियों और आमजन को ठंडा पानी पिलाकर राहत पहुंचाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रॉबिन हुड आर्मी की ओर से रविवार को सिटी मेट्रो स्टेशन के नीचे सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पानी की छबील लगाई गई। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों, यात्रियों और आमजन को ठंडा पानी पिलाकर राहत पहुंचाई गई। साथ ही राहगीरों व आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें और दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाएं। छबील के दौरान विशेष रूप से प्लास्टिक के एकल उपयोग को रोकने की पहल करते हुए प्लास्टिक गिलासों की बजाय स्टील के गिलासों का इस्तेमाल किया गया। संगठन के सदस्यों ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में रविंद्र शर्मा, अरुण पाहुजा, हरि शर्मा, गीता सतीजा सहित अन्य आरएचए सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को पानी पिलाना सबसे बड़ा सेवा कार्य है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सेवा भाव से आगे आना चाहिए। आरएचए सदस्यों ने राहगीरों और यात्रियों को संदेश दिया कि वे प्लास्टिक के उपयोग से बचें तथा जल सेवा जैसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने जल सेवा का लाभ उठाया और रॉबिनहुड आर्मी के इस प्रयास की सराहना की। संस्था के सदस्यों ने भविष्य में भी जनसेवा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया।

आरंभिक जांच के बाद पुलिस ने रंजिश का मामला बताया

ट्रांसपोर्टर के कार्यालय में तोड़फोड़, मंथली मांगने के लगाए आरोप

■ जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप, शिकायत पर पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

आसलवास गांव में एक ट्रांसपोर्टर के ऑफिस में तोड़फोड़ करने और मंथली नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने की शिकायत पर कसोला पुलिस ने जांच शुरू कर दी। आरंभिक जांच में मामला आपसी रंजिश का सामने आया है, जिसकी जांच की जा रही है।

आसलवास निवासी राजेश ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह ट्रांसपोर्टर का काम करता है। उसने आरोप लगाया कि उसी के गांव के धर्मेंद्र ने उससे मंथली की मांग की थी। उसने एक बार 8 हजार रुपये दे दिए थे। शनिवार की रात वह अपने ऑफिस में ही सोया हुआ था। इसी दौरान धर्मेंद्र दो अन्य लोगों के साथ शीशा तोड़कर उसके ऑफिस में घुस गया। मंथली नहीं देने पर उसने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान उसने मौका पाकर अपनी गाड़ी में लगाया हूटर बजा दिया। आरोपी पुलिस की गाड़ी समझकर वहां से भाग निकले। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि मामला दो पक्षों के बीच रंजिश का है। इससे पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हो चुका है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जांच के बाद मामले के अनुसार केस दर्ज किया जाएगा। दोनों पक्षों को थाने में बुलाया गया है।

रेवाड़ी। ट्रांसपोर्टर के ऑफिस का तोड़ा गया गेट। फोटो : हरिभूमि

कान्हड़वास के पास नहर में मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रविवार दोपहर कान्हड़वास के पास नहर से करीब 35 वर्षीय युवक का शव मिला है। शिनाख्त नहीं होने के कारण पुलिस ने शव डेड हाउस में रखवा दिया। पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पंप हाउस से कुछ दूरी पर नहर में शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर चोटों के कोई निशान नहीं पाए गए हैं। आसपास के गांवों में सूचना देकर पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। बाद में शव को पहचान के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

खबर संक्षेप

मुंडाखेड़ा में बिजली की तार चोरी

बहादुरगढ़। गांव मुंडाखेड़ा में बिजली निगम की खाली लाइन के तार चोरी हो गए हैं। इस संबंध में बादली थाना पुलिस ने निगम के कनिष्ठ अभियंता अरुण सोलंकी की शिकायत पर अभियोग दर्ज किया है। शिकायत में जेई ने बताया कि 11 केवी की आइडल लाइन के लगभग 15 स्पेन का तार चोरी हो गया है। इस संबंध में 25 अप्रैल को एएलएम लालचंद और कर्मवीर द्वारा इसकी शिकायत दी गई थी। निगम के कनिष्ठ अभियंता की माने तो करीब 2100 मीटर तार चोरी होने से निगम को लगभग 1 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। इस संबंध में पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 136 के तहत केस दायर किया है।

आश्रम के बाहर खड़ी बाइक चोरी

झज्जर। मातनहेल गांव में एक आश्रम परिसर के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में देंवेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपने रिश्तेदार सेहलंगा निवासी राजकुमार से बाइक लेकर आया था। उसे लेकर वह अपने बच्चों के साथ बीड़ मातनहेल स्थित एक आश्रम में गया था। जब बाद में वह मंदिर से बाहर आया तो बाइक वहां नहीं मिली। उसने अपने स्तर पर बाइक की तलाश भी की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाइक की टक्कर से युवक घायल, पीजीआई रेफर

झज्जर। क्षेत्र के गांव खानपुर खुर्द में शाम की सैर को निकले एक युवक को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इस घटना में जहां युवक घायल हो गया वहीं बाइक सवार को भी चोट आई। पुलिस को दी शिकायत में रविंद्र ने बताया कि वह तीस अप्रैल की शाम अपने दोस्त विपिन के साथ शाम करीब साढ़े बजे गोरिया रोड पर घूमने निकला था। इसी दौरान नहर की पुलिस के पास विपिन को एक बाइक ने पीछे से टक्कर मार दी। रविंद्र के अनुसार इसके बाद वह दोनों को उपचार के लिए पीएचसी बहू ले गया जहां उसके दोस्त विपिन को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया।

चौक-चौराहों और गली मोहल्लों में कूड़े के लगे ढेर

तीसरे दिन भी हड़ताल पर नप सफाई कर्मी, गंदगी से व्यवस्था का बुरा हाल

शहर में फैली गंदगी से आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। नगर परिषद कार्यालय परिसर में हड़ताल के दौरान नारे लगाते हुए सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। पुराना बस स्टैंड मार्ग पर फैली गंदगी। फोटो : हरिभूमि

विभिन्न लंबित मांगों को लेकर नगर परिषद के सफाई कर्मचारी रविवार को लगातार तीसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। जिसके कारण शहर में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल रहा। शहर के विभिन्न चौक चौराहों और गली मोहल्लों में कूड़े के ढेर लगे रहे। जिसके कारण आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उधर, सफाई कर्मचारियों ने नगर परिषद कार्यालय परिसर में सरकार विरोधी नारे लगाते हुए अपनी लंबित मांगों को पूरा किए जाने की मांग की। नगर पालिका सफाई कर्मचारी यूनियन के इकाई प्रधान शिवम चावरिया ने बताया कि वे अपनी मुख्य मांगों ठेका प्रथा बंद करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, अग्निशमन विभाग फरीदाबाद में मौत का शिकार हुए कर्मचारी भवीचंद शर्मा और रणबीर तथा स्थानीय नगर परिषद के पेरोल कर्मचारी राजेश के आश्रितों को उचित मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलाना शामिल है। इस मौके पर इकाई सचिव विकास उज्जैनवाल, जिला सचिव गौरव टॉक, सह सचिव बबली, इकाई आडिटर कृष्णा, महिला उप प्रधान कमलेश, महिला प्रधान रामरति, प्रचार सचिव मनीषा, सुनीता, संदीप, सोनू, विजय, विकास, सुरेश नरेंद्र, राजेंद्र, अमित, जितेंद्र, शिबू, सुनीता, शीतल, रानी, अंजू, किरण, जग्गू, सरस्वती, सुमित्रा, मुकेश रहे।

सफाईकर्मियों की हड़ताल के चलते शहर में बढ़ी गंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते सफाईकर्मी।

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। सफाईकर्मी चाहते हैं कि 23 दिसंबर 2025 और 31 दिसबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश अनुसार 5 साल या 10 साल से कार्यरत कर्मचारियों को स्थाई नियुक्ति दी जाए। प्रधान राजेश बालगुहेर की अध्यक्षता में चल रही हड़ताल का मंच संचालन सचिव अमित ने किया। उन्होंने कहा कि ठेका प्रथा बंद हो, पुरानी पेंशन बहाल हो, कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। फरीदाबाद में आग बुझाते हुए अपने जीवन का बलिदान देने वाले अग्निशमन विभाग के भवी चंद शर्मा और रणबीर को शहीदों का दर्जा और एक-एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता के साथ आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जाए। हड़ताल के दौरान जिला प्रधान राजेंद्र तूषामड, अजय, मुकेश बालगुहेर, होशियार सिंह दरोगा, सुनील, जयभगवान, इंद्रमल, ऊषा, सरोज, सुनीता, संदीप टॉक, सोनू, विजय, विकास, विक्रांत, रवि, अशोक, नरेंद्र, वकील, राजीव आदि रहे।

लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता जरूरी

बहादुरगढ़। रविवार को वैश्य बीएड कॉलेज की स्वयंसेविकाओं ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर सलामी देकर लोकतंत्र की मजबूती में योगदान देने वाले पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा ने बताया कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। सच को सामने लाने और अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से निभाने के लिए पत्रकार अपनी जान को जोखिम में डाल देते हैं। ऐसे में उन्हें स्वतंत्रता सुनिश्चित की जानी चाहिए। हर साल 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित पत्रकारों के निर्भीक

ऑटो व पिकअप की टक्कर में दो की मौत

- रविवार को सुखपाल की पत्नी संतोष ने भी उपचार के दौरान तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते पुलिसकर्मी।

क्षेत्र के गांव दादनपुर के नजदीक हुई ऑटो व पिकअप गाड़ी की टक्कर में मरने वाले लोगों की संख्या में दो हो गई है। पहले दिन जहां सुखपाल की मौत हो गई वहीं रविवार को उसकी पत्नी संतोष ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर उन्हें परिजनों को सौंप दिया है। मामले के जांच अधिकारी प्रवीण ने बताया कि किलडौद निवासी सुखपाल अपनी पत्नी संतोष, पुत्रवधु सुजाता पत्नी पवन व पौते रूद्र के साथ किसी काम से गांव निवासी अनिल की ऑटो में बैठकर झज्जर आ रहा था। शनिवार की दोपहर करीब सवा बारह बजे जब वे दादनपुर पशु अस्पताल के नजदीक पहुंचे तो पीछे से तेज गति आ रही एक पिकअप गाड़ी ने उनकी ऑटो को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि ऑटो में सवार लोगों के अलावा सड़क किनारे खड़ा होराम पुत्र भीखनलाल निवासी खखाणा भी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान जहां सुखपाल को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था वहीं संतोष की हालत भी गंभीर बनी हुई थी। रविवार को संतोष ने भी एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस संबंध में सुजाता की शिकायत पर आरोपी गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। सीएम पुष्कर धामी का आभार व्यक्त करते जसबीर सैनी।

उत्तराखंड के सीएम से की मुलाकात

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जसबीर सैनी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके देहरादून निवास पर मुलाकात की। पगड़ी बांधकर महात्मा ज्योतिबा फुले घाट की स्वीकृति के लिए धन्यवाद किया। आगामी विधानसभा चुनाव में सैनी समाज के लोगों को अधिक भागीदारी देने की मांग की। उन्होंने इस बात को सराहा कि मुख्यमंत्री व जनता के बीच कोई ग्रिल या पर्दा नहीं है। इस अवसर पर मनोज सैनी, सत्यवान चेयरमैन, राजू प्रधान, सुभाष सैनी, ईश्वर, सुनील, हरीश, कृष्ण व नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

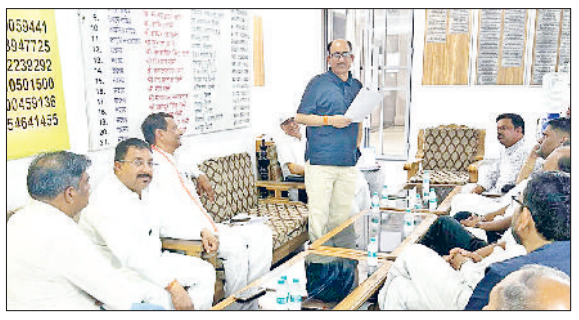

बहादुरगढ़। ट्रस्ट की बैठक में चर्चा करते कार्यकारिणी सदस्य व पदाधिकारी।

ट्रस्ट की बैठक में कई प्रस्तावों पर हुई चर्चा

बहादुरगढ़। मंगोलपुरी स्थित माता सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले ट्रस्ट की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की अहम बैठक रविवार को हुई। बैठक में अध्यक्ष श्रीपाल सैनी ने जनरल बॉडी मीटिंग में भी पारित हो चुके प्रस्तावों पर प्रकाश डाला। कार्यकारिणी सदस्य रामकंवार सैनी ने बताया कि यहां बच्चों की कोचिंग का भी प्रावधान करने जा रहे हैं। बैठक में महासचिव समय सिंह सैनी, सतपाल कोकी सैनी, मेघराज सैनी, डॉ. जितेंद्र सैनी, गोविंद सैनी, महावीर प्रसाद सैनी, रवि सैनी, संदीप सैनी, महावीर सैनी, कैप्टन रामे सैनी व अजय सैनी आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। मंत्री विपुल गोयल से चर्चा करते राजेश गुप्ता व संजय गुप्ता।

मंत्री गोयल से मिले ट्रस्ट के पदाधिकारी

बहादुरगढ़। महाराजा अग्रसेन केदारनाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज के शीघ्र संचालन को लेकर ट्रस्ट के मुख्य सलाहकार राजेश गुप्ता व महामंत्री संजय गुप्ता ने प्रदेश सरकार के मंत्री विपुल गोयल से भेंट की। बैठक में मेडिकल कॉलेज को जल्द प्रारंभ कराने के लिए चर्चा हुई। ताकि क्षेत्रवासियों को उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। साथ ही युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर मिल सकें। मंत्री विपुल गोयल ने सरकार की ओर से इस परियोजना को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

बहादुरगढ़। मंदिर में लगे शिविर में जांच करवाते लोग।

मंदिर के वार्षिकोत्सव में 151 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

बहादुरगढ़। श्री शक्तिपीठ देवी मंदिर (शनिधाम) के 17वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में जीवन ज्योति अस्पताल के चिकित्सकों ने लोगों की जांच की। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। जेजे हॉस्पिटल की टीम द्वारा शिविर में आए लोगों की शुगर, ईसीजी, हृदय संबंधी, सामान्य बीमारियों तथा आंखों की जांच की गई। रविवार को लगे कैंप में 151 लोगों की जांच की गई। साथ ही 106 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिए और नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया। कैंप के आयोजन में अशोक पुरुथी, नरेश कुमार, राजेश गुप्ता, अरुण कुमार, शशांक, पंकज सिंहल व हिमांशु आदि ने सहयोग किया। कृष्ण चंद्र सिंहल ने बताया कि मंदिर परिसर में आयोजित शिविर का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंदों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना था। श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज के लिए अत्यंत लाभकारी हैं।

ट्रक चालक पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बाढ़सा के निकट 28 अप्रैल को हुई सड़क दुर्घटना के मामले में पुलिस ने 4 दिन बाद अभियोग अंकित किया है। गुरुग्राम के गढ़ी हरसरू में रहने वाले अमित शर्मा अपने परिवार के साथ सिसाना धाम में जागरण करके वापस लौट रहे थे। लेकिन बाढ़सा रोड पर उनकी गाड़ी से आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिस कारण उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सभी घायलों को इलाज के लिए एसजीटी हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया। हादसे के दौरान अमित शर्मा के साथ उनकी बेटी निशू, भूमि व पुत्र नमन भी गाड़ी में सवार थे। पुलिस ने निशु की शिकायत के आधार पर आरोपी ट्रक चालक के विरुद्ध बीएनएस की धारा 281 व 125ए के तहत अभियोग दर्ज किया है।बाढ़सा के निकट 28 अप्रैल को हुई सड़क दुर्घटना के मामले में पुलिस ने 4 दिन बाद अभियोग अंकित किया है।

सूदखोरों ने ऑटो चालक को निर्ममता से पीटा

बहादुरगढ़। क्षेत्र में लगातार सूदखोरों का आतंक बढ़ रहा है। ताजा मामले में सांखोल में रहने वाले एक ऑटो चालक ने छोटूराम नगर निवासी दो भाइयों पर मोटा सूद वसूलने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूल रूप से बिहार निवासी विशाल कुमार ने बताया कि वह श्री व्हीलर चलाता है। उसने छोटूराम नगर निवासी दीपक प्रसाद व नितिन प्रसाद से करीब एक साल पहले 38 हजार रुपए कर्ज लिया था, जिसके बदले में वे अब तक 70 हजार रुपए चुका चुके हैं। विशाल की बुआ के लड़के सन्नी ने भी दीपक व नितिन से 40 हजार रुपए ब्याज पर लिए थे। इसके बदले में उसने 5 ग्राम सोना गिरवी रखा था।

विहिप ने लगाया हेल्थ चैकअप कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कैंप में अतिथियों को स्मृति चिह्न देते आयोजक।

शहर के लाइनपार स्थित विकास नगर में विश्व हिंदू परिषद की ओर से रविवार को श्री एक्शन बालाजी अस्पताल के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। मिश्री देवी रिहैबिलिटेशन सेंटर में लगे कैंप में 102 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई।

शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर विहिप के प्रांतीय कोषाध्यक्ष यशपाल गांधी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सह कार्यवाह राकेश उपस्थित रहे। कैंप की अध्यक्षता मिश्री देवी रिहैबिलिटेशन सेंटर के संचालक नरेश कुमार ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर संजीव शर्मा, सत्येंद्र दहिया, मुकेश वशिष्ठ, पार्षद राजेश मकड़ौली, रिंकू दहिया, आशा गौड़ व रमन आदि उपस्थित रहे। जनरल फिजिशियन डॉ मोहित तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका समेत डॉक्टरों की टीम ने ब्लड शुगर, पल्स रेट, बीपी, शुगर, ऑक्सीजन समेत अन्य जांच करते हुए लोगों को उचित परामर्श दिया और फ्री दवाइयां भी वितरित की। कैंप में आए लोगों में जोड़ों के दर्द, चलने-फिरने और बैठने के दौरान होने वाली परेशानियां पाई गई। कई लोगों में कैल्शियम की कमी भी मिली। अनेक महिलाएं खून की कमी से ग्रस्त मिली। कैंप के आयोजन में खुशबू, दीपक, चंदन व हरीश आदि ने मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं दी। धीरज श्रीवास्तव ने बदलते मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य एवं उनके खान-पान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। वैश्य बीएड कॉलेज में फैकल्टी इंचार्ज पूजा जिंदल, स्वयंसेविका डिंपल, अंजूषा, सरिता, रिंकी, ज्योति आदि रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बहादुरगढ़। पदक विजेता पहलवानों का स्वागत करते कोच और कुश्ती प्रशंसक।

10वीं में 85 प्रतिशत अंकों के साथ दीक्षा ने कुश्ती में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मांडोठी गांव की दीक्षा दलाल ने 10वीं की कक्षा में 85 प्रतिशत अंक हासिल करने के साथ ही अंडर-17 सब जूनियर नेशनल रेसलिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। हिंद केसरी सोनू अखाड़े की होनहार पहलवान दीक्षा दलाल दो बार एशिया चैम्पियन और 6 बार नेशनल चैम्पियन बन चुकी है। अर्जुन अवार्डी पहलवान एवं कोच धर्मेंद्र दलाल ने बताया कि 28 से 30 अप्रैल तक छत्रपति संभाजी नगर में हुई अंडर-17 सब जूनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में अखाड़े के 4 पहलवानों ने 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 कांस्य पदक हासिल किया है। दीक्षा दलाल ने 43 किलो भारवर्ग में गोल्ड मेडल, कुणाल ने 65 किलो भारवर्ग में गोल्ड, प्रिंस कालीरमण ने 110 किलो में सिल्वर और नितेश दलाल ने 60 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। अखाड़े में पहुंचने पर हिंद केसरी पहलवान सोनू दलाल, अर्जुन अवार्डी ओमबीर पहलवान, सेठी पहलवान, कोच सुधीर दलाल आदि रहे।

दिल्ली की सड़कों पर रात में भी दौड़े बीआरजी के धावक

एंबेसडर बनकर दीपक छिल्लर व डॉ. किरण छिल्लर ने धावकों को किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। रात में हुई दौड़ के दौरान जीतने वाले बीआरजी के धावक।

राजधानी दिल्ली में आयोजित नाइट रनर दिल्ली 2026 – द सिटी रन आफ्टर डार्क में करीब 3 हजार धावकों ने रात के समय भाग लिया। बीआरजी के धावकों ने भी ऊर्जा, उत्साह और जोश के साथ रंगीन लाइट्स और म्यूजिक के बीच दौड़ लगाई। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के राकेश कुमार ने 10 किलोमीटर दौड़ में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। देवेंद्र किशोर प्रसाद ने 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में चौथा स्थान प्राप्त किया। धर्मवीर ने 5 किलोमीटर दौड़ को मात्र 21 मिनट 37 सेकंड में पूरा कर चौथा स्थान हासिल किया। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर को रनिंग कम्युनिटी में उनके उत्कृष्ट योगदान, नेतृत्व और प्रेरणादायक कार्यों के लिए एंबेसडर के रूप में सम्मानित किया गया। दीपक छिल्लर ने कहा कि रात के समय ऐसे आयोजन लोगों को फिटनेस के प्रति जोड़ने का एक नया और प्रभावी माध्यम है। बीआरजी का उद्देश्य हमेशा से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना रहा है।